

VIDYASAGAR UNIVERSITY



HINDI (Honours & General)

Under Graduate Syllabus (3 Tier Examination Pattern) w.e.f. 2014-2015

Vidyasagar University
Midnapore 721 102
West Bengal

विद्यासागर विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक हिन्दी (प्रतिष्ठा) के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

सामान्य निर्देश :

- क) त्रिवर्षीय स्नातक हिन्दी (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत कुल आठ प्रश्नपत्र होंगे, जैसे—
भाग - 1 : प्रश्नपत्र I एवं II
भाग - 2 : प्रश्नपत्र III, IV एवं V
भाग - 3 : प्रश्नपत्र VI, VII एवं VIII
- ख) प्रत्येक भाग के दो अनुभाग (खण्ड) होंगे। प्रत्येक खण्ड 50 अंक का होगा, अर्थात् एक प्रश्नपत्र (50 + 50) कुल 100 अंक का होगा जिनमें से 90 अंक विश्वविद्यालय की लिखित परीक्षा के लिए और 10 अंक आभ्यन्तरीण मूल्यांकन के होंगे।
- ग) प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए चार घंटे का समय निर्धारित है।

प्रश्नपत्र का क्रम निम्नलिखित है :

प्रथम वर्ष (Part-I)

- प्रश्नपत्र - एक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
प्रश्नपत्र - दो : मध्यकालीन काव्य

द्वितीयवर्ष (Part-II)

- प्रश्नपत्र - तीन : भाषाविज्ञान
प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं जनसंचार माध्यम
प्रश्नपत्र - चार : कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)
प्रश्नपत्र - पाँच : साहित्य सिद्धान्त एवं हिन्दी आलोचना

तृतीय वर्ष (Part-III)

- प्रश्नपत्र - छः : आधुनिक काव्य
प्रश्नपत्र - सात : हिन्दी नाटक एवं निबंध
प्रश्नपत्र - आठ : उपन्यास (विशेष अध्ययन का पत्र)

विद्यासागर विश्वविद्यालय
त्रिवर्षीय स्नातक (प्रतिष्ठा) के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

प्रथम भाग, प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास

अंक विभाजन :	आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
	मध्यमाकार/व्याख्यामूलक प्रश्न :	8×4=32
	लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
	अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
	कुल :	90
	आभ्यन्तरीण मूल्याङ्कन :	10

खण्ड-क : आदिकाल एवं मध्यकाल

- क) हिन्दी साहित्य लेखन की परम्परा; समस्या, कालविभाजन, नामकरण।
- ख) आदिकाल: परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ। सिद्ध साहित्य, जैनसाहित्य, नाथसाहित्य, रासो साहित्य, गद्य साहित्य, लौकिक साहित्य।
- ग) भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल) परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख काव्य धाराएँ-संतकाव्य, सूफीकाव्य, कृष्णभक्ति काव्य, रामभक्तिकाव्य-प्रवृत्ति निरूपण, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।
- घ) रीतिकाव्य (उत्तर मध्यकाल) परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ।

खण्ड-ख : आधुनिक काल

- ङ) नवजागरण - परिभाषा, परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ
- च) भारतेन्दु युग - परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ
- छ) द्विवेदी युग - परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ
- ज) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, अकविता, जनवादी कविता-प्रवृत्तियाँ, रचनाकार एवं रचनाएँ।
- झ) उपन्यास, कहानी, निबंध, नाटक, एकांकी, यात्रा वृत्तांत, पत्रकारिता, संस्मरण, रिपोतजि आत्मकथा-उद्भव और विकास।

द्वितीय प्रश्नपत्र : मध्यकालीन काव्य

खण्ड : क भक्तिकालीन काव्य

- क) **कबीर** : पद १. मोकों कहां दूढे बंदे, २. साधो, सो सतगुरु मोहिं भावै, ३. मन मस्त हुआ तब क्यों बोले, ४. तरवर एक मूल बिन गढ़ा, ५. मन ना रंगाए रंगाए जोगी कपड़ा, ६. तोर हीरा हिराइल बा किचड़े में, ७. गगन घटा घहरानी साधो, ८. पंडित बाद बंदते झूठा, ९. साधो, देखो जग बौराना, १०. भीजै चुनरिया प्रेमरस बूंदन।
साखी : १. अब गुरु दिल में देखिया, २. सुन्न सरवर मीन मन, ३. अंतरि कँवल प्रकासिया, ४. नैनो की करि कोठरी, ५. परबति परबति में फिर्या, ६. सुखिया सब संसार है, ७. सुपने में साईं मिले, ८. चलती चक्की देखी के, ९. बाड़ी के बिच भँवरा था, १०. हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ। ('कबीर'-हजारी प्रसाद द्विवेदी)
- ख) जायसी- पद्मावत (नागमती वियोग खण्ड)
- ग) सूर : चरण कमल बन्दौ हरि राई, अविगत गति कछु कहत न आवै, तजौ मन हरि विमुखन कै संग, किलकत कान्ह घुटुरवनि आवत, मैया कबहिं बढैगी चोटी, आए जोग सिखावन पांडे, प्रीति कारि हन्दीं गरे छुरी, बिन गोपाल वैरिन भईं कुँजै, उपमा एकन न नैन गही, सँदेसनि मधुबन-कूप भरे। (सूरसागर)
- घ) तुलसी (कवितावली) १. किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट, २. मेरे जाति-पाँति-न चहैं काहूकी जाति-पाँति, ३. पूरते निकसी रघुवीर बधू धरि धीर, ४. सीस जटा उर बाहु विशाल विलोचन लाल, ५. सुनि सुंदर बैन सुधारस-साने, ६. लपट कराल ज्वालजाल माल दहूँ दिसि, ७. बाप दियो काननु भो आननु सुभाननु सो, ८. कृसगात ललात जो रोटिन को, ९. बेद न पुरान गानु १०. आश्रम-बरन कलि विबस बिकल भए।

खण्ड : ख रीतिकालीन काव्य

- विहारी : १. मेरी भव बाधा हरो, २. तजि तीरथ हरि-राधिका, ३. चिरजीवी जोरी जुरै, ४. इक भीजै चहलै परै, ५. कनक कनक तै सौ गुनी, ६. भूषण-भारु सँभारिहै, ७. तन्त्री-नाद कवित्त रस, ८. नर की अरु नल नीर की, ९. दृग उरझत, टूटत कुटुम, १०. नहिं पराग नहिं मधुर मधु, ११. बतरस लालच लाल की, १२. कोटि जतन को करौ, १३. संगति सुमति न पावही, १४. कहत नटत, रीझत खिझत, १५. कंजनयनि भंजन किए।

घनानन्द: १. अकुलानि के पानि पयौ दिन राति, २. पाप के पुंज केलि सु कौन, ३. चन्द चकोर की चाह करै, ४. ऐरे वीर पौन, ५. मन जैसे कछु तुम्हें चाहत हैं, ६. अति सूधो सनेह को मारग, ७. पूरन प्रेम को मन्त्र महा, ८. कारी कूर कोकिला, ९. मही दूध सम गनै हंस, १०. एकै आस एकै विसवास, ११. किंसुक पुंज से फूलि रहे।

केशव: १. 'केशव' एक समै हरि राधिक, २. कान रंग रँगै नैन, ३. फूल न दिखाउ शूल फूलत है, ४. हरित हरित हार हेरत हियो हरत, ५. वा मृगनैनी ज्यों और नहीं, ६. मेघ ज्यों गंभीर वाणी सुनत सखा शिखीन, ७. बानी जगरानी की उदारता बखानी जाय, ८. राघव की चतुरंग चमू चयको गनै, ९. जग जगमगत भगत जन रस बस, १०. घेरो जनि मोहिं घर जान देहु घनस्याम।

भूषण: १. विकट अपार भव पंथ के चले को स्त्रम, २. इंद्र जिमि जंभ पर बाड़व सुअंभ पर, ३. तुम सिवराज ब्रजराज अवतार आजु, ४. ब्रह्म के आनन ते निकसे ते अन्यंत, ५. साहि तने सिवराज ऐसे देत गजराज, ६. साजि चतुरंग वीर रंग मैं तुरंग चढ़ि, ७. ऊँचे घोर मंदर के अंदर, ८. बाने फहराने घहराने घंटा गजन के, ९. मेचक कवच साजि बाहन बयारि बाजि, १०. कारो जल जमुनाको काल सो लगत आली।

(रीति काव्य संग्रह, सं. जगदीश गुप्त)

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न : 15×2=30

मध्यमाकार/व्याख्यामूलक प्रश्न : 8×4=32

अति लघुत्तरी प्रश्न : 1×8=08

टिप्पणी/लघुत्तरी प्रश्न : 4×5=20

कुल : 90

द्वितीय वर्ष स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम
द्वितीय भाग, (Part-II) (इसमें तीन प्रश्नपत्र होंगे)

तृतीय प्रश्नपत्र

भाषाविज्ञान, प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा जनसंचार माध्यम

खण्ड-क : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- क) भाषा की परिभाषा, भाषा के भेद, लक्षण, भाषा और समाज का अन्तःसम्बन्ध।
- ख) भाषाविज्ञान की परिभाषा, अध्ययन पद्धतियाँ (ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक)
- ग) ध्वनि परिवर्तन — कारण और दिशाएँ
- घ) अर्थ परिवर्तन — कारण और दिशाएँ
- ङ) हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, पूर्वी हिन्दी, पश्चिमी हिन्दी में अन्तर
- च) खड़ीबोली हिन्दी का विकास, हिन्दी का मानकीकरण
- छ) देवनागरी लिपि- उद्भव और विकास।

खण्ड-ख : प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं जनसंचार माध्यम

- क) प्रयोजनमूलकता: अभिप्राय, उपयोगिता और प्रयोग के क्षेत्र।
- ख) हिन्दी के विविध रूप: राजभाषा
1963 का अधिनियम,
1967 का अधिनियम,
1976 का अधिनियम,
राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा।
- ग) हिन्दी की प्रयोजनीयता में अखबार की भूमिका, अनुवाद की भूमिका, अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयीन अनुवाद एवं साहित्यिक अनुवाद में अन्तर।
- घ) प्रशासनिक पत्राचार के विविध रूप: आलेखन, टिप्पणी-लेखन, निविदा-लेखन, अधिसूचना-लेखन।
- ङ) जनसंचार का तात्पर्य, संचार के आधुनिक माध्यम, समाचार पत्र, रेडियो, दूरदर्शन, इंटरनेट, कम्प्यूटर- उपयोगिता एवं क्षेत्र।
- च) पारिभाषिक शब्दावली (साथ संलग्न है)

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार/व्याख्यामूलक प्रश्न :	8×4=32
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
टिप्पणी/लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
कुल :	90

पारिभाषिक शब्दावली

Administration	प्रशासन
Adoption	अंगीकरण
Adult Franchise	वयस्क मताधिकार
Advance	अग्रिम
Advisory Committee	सलाहकार समिति
Affidavit	शपथपत्र
Affiliation	संबंधन
Aforesaid	पूर्वोक्त
Agent	एजेन्ट, अभिकर्ता
Aggregate	पूर्णयोग, समाहार
Agitation	आन्दोलन
Agreement	करार, सहमति
Allegation	आरोप
Allotment	आबंटन
Allowance	भत्ता
Academician	शिक्षाविद
Arbitrator	मध्यस्थ, विवाचक
Audio-Visual publicity	दृश्यश्रव्य प्रचार
Arrears	बकाया
Attorney	न्यायवादी
Ambassador	राजदूत
Amenity	सुख-सुविधा
Amount	राशि, रकम
Advocate	अधिवक्ता
Adjourn	स्थगित करना
Accusation	अभियोग, अभियोजन

Act	अधिनियम्, कानून
Additional grant	अतिरिक्त अनुदान
Agenda	कार्यसूची
Autonomous	स्वायत्त
Auditor	लेखा-परीक्षक
Approval	अनुमोदन
Balance	संतुलन
Ban	प्रतिबन्ध
Budget	बजट, आयव्ययक
Bureaucracy	नौकरशाही
Board	परिषद, मंडल,
Bibliography	ग्रंथसूची
Casual leave	आकस्मिक अवकाश
Commander-in-chief	प्रधान सेनापति
Compensation	क्षतिपूर्ति, मुआवजा
Constituency	निर्वाचन क्षेत्र
Contingencies	आकस्मिक व्यय, फुटकरव्यय।
Co-ordinator	समन्वयक
Copy enclosed for ready reference	तत्काल निर्देश के लिए प्रतिलिपि प्रेषित
Counter Signature	प्रतिहस्ताक्षर
Defector	वस्तुतः, तथ्येन
Delegation	प्रतिनिधि मंडल
Discretionary powers	विवेकाधीन अधिकार
In anticipation	प्रत्याशा में
Drafting	प्रारूपण
Gratuity	अनुदान
Jurisdiction	अधिकार क्षेत्र

Lockout	तालाबन्दी
Minutes	कार्यवृत्त, कार्यवाही विवरण
Notification	अधिसूचना
Vice-chancellor	कुलपति
Suspension	मुअत्तली
Verification	सत्यापन
Public Relation Office	जनसम्पर्क अधिकारी
Toll Tax	पथकर
Revenue Board	राजस्व बोर्ड
Cabinet	मंत्रिमंडल
Candidature	अभ्यर्थता/उम्मीदवारी
Calculation	गणना
Certificate	प्रमाण-पत्र
Chancellor	कुलाधिपति
Registrar	कुलसचिव
Census	जनगणना
Commission	आयोग
Comment	टीका, टिप्पणी
Cash	नगद, रोकड़
Brochure	विवरणिका
Convention	परिपाटी, रूढ़ि
Correspondence	पत्राचार
Corporation	निगम
Consumption	उपभोग, खपत
Conference	सम्मेलन
Confidential	गोपनीय
Communication	संचार
Corruption	भ्रष्टाचार

Customs	सीमाशुल्क
Council	परिषद
Dearness	महँगाई
Defamation	मानहानि
Defendant	प्रतिवादी
De novo	नये सिरे से
Deputation	शिष्टमण्डल
Dismiss	पदच्युत
Draft	मसौदा, प्रारूप
Embassy	दूतावास
Employer	नियोक्ता
Evaluation	मूल्यांकन
Exchange	विनिमय
Engineer	अभियन्ता
Estimate	आकलन
Executive	कार्यपालिका
Fellowship	शिक्षावृत्ति
Forwarded	अग्रसारित
Gazette	राजपत्र, गजट
Guide	निर्देशक
Guidance	मार्गदर्शन
High Commissioner	उच्चायुक्त
Homage	श्रद्धाञ्जलि
Honorary	अवैतनिक
Honorarium	मानदेय
Import	आयात
Implementation	कार्यान्वयन
Interpreter	दुभाषिया

Interruption	व्यवधान
Interval	अन्तराल
Incumbent	पदस्थ, पदधारी
Integrity	अखंडता
Judiciary	न्यायपालिका
Motion	प्रस्ताव
Occupation	उपजीविका
Ordinance	अध्यादेश
Passport	पारपत्र
Personnel	कार्मिक
Petition	याचिका
Visa	प्रवेशपत्र
Reference	संदर्भ
Record	अभिलेख
Promotion	प्रोन्नति
Subsidiary	सहायक
Transport	परिवहन
Unauthorised	अनधिकृत
Validity	मान्यता
Union	संघ
Voluntary	स्वैच्छिक
Vacancy	रिक्ति

चतुर्थ प्रश्नपत्र : कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी)

खण्ड-क : उपन्यास

- क) प्रेमचन्द- सेवासदन
- ख) यशपाल - दिव्या
- ग) श्रीलाल शुक्ल: राग दरबारी

खण्ड-ख : कहानी

- क) प्रेमचन्द - मंत्र
- ख) जयशंकर प्रसाद - ग्राम
- ग) जैनेन्द्र कुमार - पत्नी
- घ) अमरकांत - हत्यारे
- ङ) महीप सिंह - स्वराघात
- च) कमलेश्वर — गर्मियों के दिन
- छ) उषा प्रियम्बदा -जिन्दगी और गुलाब के फूल
- ज) संजीव - कन्फेशन
- झ) ज्ञानरंजन - सम्बन्ध
- ञ) उदय प्रकाश - टेपचू

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार प्रश्न :	8×4=32
लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
कुल :	90

पंचम प्रश्नपत्र : साहित्य सिद्धान्त और हिन्दी आलोचना

खण्ड-क : साहित्य सिद्धान्त

- क) भारतीय काव्यशास्त्र:
काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन, रस सिद्धान्त, अलंकार सिद्धान्त, ध्वनि सिद्धान्त, वक्रोक्ति सिद्धान्त, रीति सिद्धान्त।
- ख) पाश्चात्य काव्यशास्त्र:
अरस्तू-अनुकरण सिद्धान्त
लॉजाइनस-उदात्त की अवधारणा
आई. स. रिचर्डस-मूल्य और संप्रेषण सिद्धान्त
क्रोचे - अभिव्यंजनावाद

खण्ड-ख : हिन्दी आलोचना

- ग) हिन्दी आलोचना का विकास: भारतेन्दु, महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं शुक्लयुगीन आलोचना।
- घ) शुक्लोत्तरयुगीन आलोचक एवं उनकी आलोचना दृष्टि: हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र एवं रामविलास शर्मा।
- ङ) यथार्थवाद, प्रगतिशील आलोचना, अस्तित्ववाद, उत्तरआधुनिकतावाद एवं आधुनिक विमर्श-स्त्री विमर्श, दलित विमर्श
- च) आलोचना के बीज शब्द-प्रतीक, बिम्ब, मिथक, फैटैसी

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार प्रश्न :	8×4=32
लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
कुल :	90

तृतीय वर्ष (Part-III)

इस भाग के अन्तर्गत तीन प्रश्न पत्र — VI, VII, VIII होंगे।

षष्ठ प्रश्नपत्र : आधुनिक काव्य

खण्ड-क

- क) मैथिली शरण गुप्त - यशोधरा
- ख) जयशंकर प्रसाद- कामायनी (केवल लज्जा सर्ग)
- ग) निराला - संध्या सुन्दरी, तुलसीदास, ध्वनि
- घ) सुमित्रा नन्दन पंत — गीत-विहग, चाँदनी, परिवर्तन
- ङ) महादेवी वर्मा- धीरे-धीरे उतर क्षितिज से, वे मुसकाते हुल नहीं, मैं नीर भरी दुःख की बदली।

खण्ड-ख

- च) अज्ञेय: बना दे चितेरे, भीतर जागा दाता, सूनी-सी साँस।
- छ) नागार्जुन: अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बन्दूक।
- ज) मुक्तिबोध: चाँद का मुँह टेढ़ा है।
- झ) धूमिल: शहर में सूर्यास्त, बीस साल बाद, संसद से सड़क तक
- ञ) त्रिलोचन: युग की पुकार, तीन कुंडलियाँ, दुख और गान।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार प्रश्न :	8×4=32
लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
कुल :	90

सप्तम प्रश्नपत्र : हिन्दी नाटक, निबन्ध एवं अन्य विधाएँ

खण्ड-क : नाटक

- क) भारतेन्दु: भारत दुर्दशा
- ख) जयशंकर प्रसाद : चन्द्रगुप्त
- ग) मोहन राकेश: लहरों के राजहंस
- घ) सफदर हाशमी: मशीन
- ङ) उपेन्द्रनाथ अशक - जोंक

खण्ड-ख : निबन्ध और अन्य गद्य विधाएँ

- च) चिन्तामणि : रामचन्द्र शुक्ल- करुणा, मानस की धर्मभूमि.
- छ) कल्पलता : हजारी प्रसाद द्विवेदी - शिरीष के फूल, संस्कृतियों का संगम
- ज) मेरे राम का मुकुट भींग रहा है - विद्यानिवास मिश्र-मेरे राम का मुकुट भींग रहा है।
- झ) एक बूँद सहसा उछली-अज्ञेय:यूरोप की अमरावती:रोमा, पतझर का एक पात
- ञ) एकलव्य के नोट्स (रिपोर्टाज): फणीश्वरनाथ रेणु
- ट) स्मृति की रेखाएँ - महादेवी वर्मा: 'बिबिया'

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार प्रश्न :	8×4=32
लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
कुल :	90

अष्टम प्रश्नपत्र (विशेष अध्ययन) उपन्यास

खण्ड-क

- क) उपन्यास: परिभाषा एवं तत्त्व
 - ख) विश्व साहित्य में उपन्यास: सामान्य परिचय
 - ग) भारतीय साहित्य में उपन्यास: सामान्य परिचय
 - घ) हिन्दी साहित्य में उपन्यास: सामान्य परिचय
- प्रेमचन्द पूर्व युग, प्रेमचन्द युग एवं प्रेमचन्दोत्तर युग।

खण्ड-ख

- ड) श्रीकांत (प्रथम पर्व): शरत चन्द्र
च) संस्कार : यू. आर. अनन्तमूर्ति
छ) झूठा सच : यशपाल
ज) महाभोज : मन्नू भण्डारी

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार प्रश्न :	8×4=32
लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
कुल :	90

विद्यासागर विश्वविद्यालय

त्रिवर्षीय स्नातक उपाधि हिन्दी (साधारण/सामान्य) के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम

सामान्य निर्देश

१. इस पाठ्यक्रम के तीन भाग (Part-I) होंगे जिनके अन्तर्गत कुल चार प्रश्नपत्र होंगे, जैसे. प्रथम प्रश्नपत्र- भाग-एक, दूसरा प्रश्नपत्र एवं तीसरा प्रश्नपत्र भाग दो एवं चौथा प्रश्नपत्र भाग तीन के लिए निर्धारित हैं।
२. प्रत्येक प्रश्नपत्र के पूर्णांक सौ (100) होंगे जिनमें से 90 अंक विश्वविद्यालय परीक्षा एवं 10 अंक आभ्यन्तरीण मूल्यांकन के होंगे।
३. प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिये तीन घंटे का समय निर्धारित है।

पाठ्यक्रम विभाजन

प्रथम वर्ष, (Part-I) प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास।

द्वितीय वर्ष (Part-II) द्वितीय प्रश्नपत्र : मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य

तृतीय प्रश्नपत्र : हिन्दी गद्य साहित्य।

तृतीय वर्ष (Part-III) चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी।

विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर
त्रिवर्षीय स्नातक उपाधि हिन्दी (सामान्य) पाठ्यक्रम
अंक विभाजन : पूर्णांक : 90
आभ्यन्तरीण मूल्यांकन : 10
कुल 100

प्रथम भाग (Part-I)
प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
खण्ड-क : आदि एवं मध्यकाल

- क) कालविभाजन, नामकरण, समस्याएँ।
ख) आदिकाल : पृष्ठभूमि (परिस्थितियाँ), नामकरण, प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य एवं रासो साहित्य।
ग) पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल): भक्ति के उदय-विकास के कारण, प्रमुख धाराएँ - संतकाव्य, सूफी काव्य, कृष्ण काव्य, रामकाव्य प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।
घ) रीतिकाव्य (उत्तर मध्यकाल): नामकरण, प्रवृत्तियाँ, विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रमुख कवि एवं कृतियाँ।

खण्ड- ख

आधुनिक काल :

- ड) आधुनिक, आधुनिकता, परिस्थितियाँ, नवजागरण-प्रवृत्तियाँ।
च) भारतेन्दु युग एवं द्विवेदी युग: परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ।
छ) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता—
पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि एवं कृतियाँ।
ज) उपन्यास, कहानी, नाटक, निबन्ध, आलोचना-उद्भव और विकास।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार प्रश्न :	8×4=32
लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20

अति लघुत्तरी प्रश्न : 1×8=08
कुल : 90

द्वितीय वर्ष

द्वितीय भाग (Part-II)

द्वितीय प्रश्नपत्र : मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य

अंक विभाजन :

पूर्णांक : 90

आभ्यन्तरीण मूल्यांकन : 10

कुल : 100

खण्ड-क : मध्यकालीन काव्य

- क) कबीर: साखी: १. सतगुरु शब्द कमान ले, २. गुरु गोविंद तौ एक है, ३. मेरा मन सुमिरै राम को, ४. लुटि सकै तौ लूटियौ ५. अम्बर कुंजों कुरलियाँ, ६. हिरदै भीतरि दौ बलै, ७. पानी ही तै हिम भया, ८. कबीर कहा गरबियो, ९. कबीर माया पापिनी, १०. साहेब इम में साहेब तुममें, ११. अरध-ऊरध की गंगा-जमुना, १२. पूजा-सेवा-नेम व्रत, १३. मालन आवत देख करि, १४. शून्य मरै, अजपा मरे।
- ख) सूरदास : १. जब हरि मुरली अधर धरी, २. मैया भोरी मैं नहिं माखन खायौ, ३. खेलन में को काको गुसैयाँ, . उद्धव ! वेगिही ब्रज जाहु, ५. गोकुल सबै गौपाल उपासी, ६. आयो धोष बड़ो व्यापारी, ७. हमारे हरि हारिल की लकरी, ८. काहे को रोकत मारग सूधो, ९. ऊधो आँ खियाँ अति अनुरागी, १०. देखियत कालिंदी अति कारी।
- ग) तुलसी: 'राम-वन-गमन' प्रसंग
- घ) बिहारी: १. मेरी भव-बाधा हरौ, २. तो पर बारौ उरबसी, ३. मंगल बिंदु सुरंग मुख ससि, ३. जपमाला छापै तिलक, ४. इत आवत चलि जात उत, ५. अहियारे, दीरघ दृगनु, ६. को कहि सके बड़ेनु सो ७. खेलन सिखए अलि भलैं, ८. अंग-अंग नग जगमगै, ९. गिरि तै. ऊँचे रसिक मन. १०. बढ़त-बढ़त संपति सलिल, ११. हरित बाँस की बँसुरी, १२. कोटि जतन कोऊ करौ, १३. सीय मुकुट कटि काहनी, १४. दूरि भजत प्रभु पीठि दै।

खण्ड-ख

आधुनिक काव्य

- ड.) रामधारी सिंह 'दिनकर' – 'रश्मिर्थी' (केवल पंचम सर्ग)

- च) जयशंकर प्रसाद : आत्मकथा, उठ-उठ री लघु लोल लहर, अरुण यह मधुमय देश हमारा ।
 छ) सुमित्रानन्दनः पंत, ताज, भारतमाता ।
 ज) निराला : वर दे वीणावादिनी, आत्मथा, जल्द-जल्द -पैर बढ़ाओ
 झ) महादेवी वर्मा: मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, सुमन के प्रति
 ञ) अज्ञेय : नदी के द्वीप, कलगी बाजरे की, साँप
 च) नागार्जुन : कल्पना के पुत्र हे भगवान, सिदूर तिलकित भाल
 ज) केदारनाथ अग्रवाल: कंचन किरणें, माझी बजाओ न वंशी

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार प्रश्न :	8×4=32
लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
कुल :	90

तृतीय पत्र : हिन्दी गद्य साहित्य

खण्ड-1-नाटक, एकांकी, निबन्ध

- क) अंधेर नगरी: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
 ख) ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद
 ग) औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा
 घ) सिकन्दर : भुवनेश्वर
 ङ) लोभ और प्रीति : रामचन्द्र शुक्ल
 च) नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी

खण्ड-2 (उपन्यास और कहानी)

- क) प्रेमचन्द: वरदान
 ख) भीष्म साहनी : तमस
 ग) कहानी

जयशंकर प्रसाद : गुंडा
सुभद्रा कुमारी चौहान : गौरी
सियारामशरण गुप्त: बैल की बिक्री
रांगेय राघव : गदल
अमरकान्त : दोपहर का भोजन
विष्णु प्रभाकर : धरती अब भी घूम रही है।

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार प्रश्न :	8×4=32
लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
कुल :	90

तृतीय वर्ष (Part-III)

चतुर्थ प्रश्नपत्र

हिन्दी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी

खण्ड-क : हिन्दी भाषा

- क) हिन्दी शब्द की उत्पत्ति, बोलियाँ और क्षेत्र
- ख) हिन्दी शब्द भण्डार
- ग) खड़ी बोली हिन्दी का विकासात्मक परिचय
- घ) भारोपीय भाषा परिवार और हिन्दी
- ङ) देवनागरी लिपि: नामकरण, उद्भव एवं विकास

खण्ड-क : प्रयोजनमूलक हिन्दी

- च) प्रयोजनमूलक हिन्दी : अभिप्राय, स्वरूप, उपयोगिता
- छ) हिन्दी के विविध रूप: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा के रूप में।

- ज) प्रयोजनमूलक हिन्दी में अनुवाद का महत्त्व, उपयोगिता और समस्याएँ।
 झ) अनुवाद के प्रकार, कार्यालयीन हिन्दी की व्याकरणिक समस्याएँ
 ज) मीडिया एवं हिन्दी
 ट) समाचार लेखन, फीचर लेखन, विज्ञापन
 ठ) पत्र लेखन, निविदा लेखन, अधिसूचना
 ड) पारिभाषिक शब्दावली (संलग्न है)

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×2=30
मध्यमाकार प्रश्न :	8×4=32
लघुत्तरी प्रश्न :	4×5=20
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×8=08
कुल :	90

पारिभाषिक शब्दावली

Account	लेखा/खाता
Accountability	जवाबदेही
Ad-hoc	तदर्थ
Accountant	लेखपाल
Adjusment	समायोजन
Adjournment	स्थगन
Agenda	कार्यसूची
Agreement	अनुबंध
Audit	लेखा-परीक्षा
Auditorium	प्रेक्षागृह
Allotment	आबंटन
Allowance	भत्ता

Approval	अनुमोदन
Authority	प्राधिकरण
Autonomous	स्वायत्त
Authentic	प्रामाणिक
Bonafide	वास्तविक
Bail	जमानत
Bye Low	उपविधि
Bank Guranty	बैंक प्रत्याभूति
Bearer	वाहक
Cash Balance	रोकड़ बाकी
Charge	प्रभार
Circular	परिपत्र
Compensation	क्षतिपूति
Confirmation	पुष्टि
Consent	सहमति
contract	संविदा
Commission	दलाली/आयोग
Current	चालू
Depositer	जमाकर्ता
Dividend	लाभांश
Discretion	विवेक
Enclosure	अनुलग्नक
Ex-Office	पदेन
Honorarium	मानदेय
Investment	निवेश
Lease	पट्टा
Infrastructure	आधारभूत संरचना

Memorandum	ज्ञापन
Lumpsum	एकमुश्त
output	उत्पादन
Notification	अधिसूचना
Officiating	स्नानापन्न
Postponement	स्थगन
Outstanding	बकाया
Payable	देय
Payment	भुगतान
Realization	वसूली
Recurring	आवर्ती
Vice-chancellor	कुलपति
Registrar	कुल सचिव
Secretary	सचिव
Renewal	नवीकरण
Revenue	राजस्व
Sensex	शेयर सूचकांक
Telecommunication	दूरसंचार
Validity	वैधता
Transaction	लेन – देन

विद्यासागर विश्वविद्यालय

अनिवार्य भाषा हिन्दी

Compulsory Language : HINDI (C.L. Hindi) (For Arts, Science & Commerce)

(कला, विज्ञान तथा वाणिज्य छात्र-छात्राओं के लिए)

सामान्य निर्देश:

- १) इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत एक ही प्रश्नपत्र होगा।
- २) इस प्रश्न पत्र के कुल अंक (पूर्णांक) 50 होंगे एवं इस प्रश्न-पत्र के लिए 2 घंटे का समय निर्धारित है।
- ३) कला, विज्ञान और वाणिज्य-विद्यार्थियों के लिए एक ही पाठ्यक्रम निर्धारित है।

प्रश्नपत्र-अनिवार्य भाषा हिन्दी (C.L.)

पूर्णांक - ५०

- क) कबीर : १. गुरु गोबिंद दोउ खड़े, २. तूँ तूँ करता तू भया, ३. समुन्दर लागी आगि, ४. हरि रस पीया जानिये, ५. बासुरि सुख नाँ रैन सुख, ६. आसा एक जु राम की, ७. कस्तुरी कुंडली बसै, ८. कबीर बादल प्रेम का, ९. प्रेम खेत न निपजै, १०. बिरह भुवंगभ तन बसै।
- ख) रहीम: १. रहिमान पानी राखिए, २. रहिमान निज मन की व्यथा, ३. रहिमान वे नर मर चुके, ४. खीरा ते सिर काटियो, ५. अंजन दिओ तो किरकिरी, ६. बड़े बड़ाई ना करे, ७. रहिमान प्रीति न कीजए, ८. रहिमान याचकता गहे, ९. रहिमत बित्त अधर्म को, १०. रहिमान विद्या बुद्धि नहिं।
- ग) रसखान: १. मानुष हौ तो वही रसखान, २. या लकुटि अरु कमरिया, ३. शेष महेस, गनेस, दिनेस, ४. मोर पखा परि ऊपर राखि, ५. सोहत चंदवा सिरमौर के।
- घ) मैथिली शरण गुप्त- मनुष्यता।
- ङ) शिवमंगल सिंह 'सुमन': हम पंक्षी उन्मुक्त गगन के।
- च) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - स्नेह निर्झर बह गया।
- छ) केदारनाथ अग्रवाल: बसंती हवा

गद्य :

- ज) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: मित्रता
- झ) स्वामी विवेकानन्द : युवाओं से

- अ) डॉ. नगेन्द्र : भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता
ट) प्रेमचन्द : पूस की रात
ठ) मन्नू भंडारी : दो कलाकार
ड) भावविस्तार,
पत्रलेखन
वर्तनी एवं वाक्य संशोधन
मुहावरों का वाक्य-प्रयोग

अंक विभाजन :

आलोचनात्मक प्रश्न :	15×1=15
मध्यमाकार प्रश्न :	8×2=16
लघुत्तरी प्रश्न :	3×5=15
अति लघुत्तरी प्रश्न :	1×4=04
कुल :	50

— o —

विद्यासागर विश्वविद्यालय
त्रिवर्षीय स्नातक हिन्दी (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास

सहायक पुस्तकें

हिन्दी साहित्य का इतिहास: आ. रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास: डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास: रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास: डॉ. बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का अतीत (२ भाग): रामकुमार वर्मा
इतिहास दर्शन: रामविलास शर्मा
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एवं हिन्दी नवजागरण: रामविलास शर्मा
हिन्दी संस्कृति और नवजागरण: डॉ. शंभुनाथ ।
साहित्येतिहास दर्शन और हिन्दी साहित्य की ऐतिहासिक प्रक्रिया: डॉ. हरिश्चन्द्र मिश्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास: सं. डॉ. नगेन्द्र
बांग्ला नवजागरण : सुशोभन सरकार

प्रथम भाग

द्वितीय प्रश्नपत्र : मध्यकालीन काव्य

सहायक ग्रंथ सूची

कबीर: हजारी प्रसाद द्विवेदी
रीतिकाव्ये संग्रह: सं. जगदीश गुप्त
सूर सागर: सूरदास
भ्रमर गीत सार : सं. रामचन्द्र शुक्ल
कबीर की विचारधारा-गोविन्द त्रिगुणायत
महाकवि सूरदास: नंददुलारे वाजपेयी
भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य-मैनेजर पाण्डेय
बिहारी रत्नाकर: जगन्नाथ दास रत्नाकर
त्रिवेणी: रामचन्द्र शुक्ल

घनानन्द कवित्त : सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
घनानन्द और स्वच्छन्द काव्यधारा - मनोहरलाल गौड़
भक्तिकाव्य और लोकजीवन: शिवकुमार मिश्र
पदमावत: सं वासुदेवशरण अग्रवाल
जायसी: विजय देव नारायण साही
कबीर साहित्य की परख: परशुराम चतुर्वेदी

द्वितीय भाग

तृतीय प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान, प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं जनसंचार माध्यम
सहायक ग्रन्थ सूची

भाषा और समाज: रामविलास शर्मा
भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा
भाषाविज्ञान : भोलानाथ तिवारी
भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी: सुनीति कुमार चटर्जी
हिन्दी भाषा: डॉ. हरदेव बाहरी
प्रयोजनमूलक हिन्दी: विनोद गोदरे
भाषा विज्ञान का संक्षिप्त इतिहास: उदय नारायण तिवारी
प्रयोजनमूलक हिन्दी: रघुनन्दन प्रसाद शर्मा
अनुवाद: सिद्धान्त और समस्याएँ : कैलाशचन्द्र भाटिया
सरकारी कार्यालयों में हिन्दी प्रयोग-गोपीनाथ श्रीवास्तव

चतुर्थ प्रश्नपत्र : कथा साहित्य

हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास-सुरेश सिन्हा
हिन्दी उपन्यास का विकास: मधुरेश
हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश
कहानी नई कहानी : नामवर सिंह
नयो कहानी संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
हिन्दी के आंचलिक उपन्यास : रामदरश मिश्र
जनवादी कहानी : रमेश उपाध्याय
फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आँचल-गोपाल राय

प्रेमचन्द्र और उनका युग: रामविलास शर्मा
आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान

पंचम प्रश्नपत्र

साहित्य सिद्धान्त और हिन्दी आलोचना

सहायक ग्रंथ सूची :

काव्य शास्त्र : भगीरथ मिश्र
पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
भारतीय काव्य शास्त्र : शान्तिस्वरूप गुप्त
हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
पाश्चात्य काव्य चिन्तन: निर्मला जैन
हिन्दी आलोचना का विकास- नन्द किशोर नवल

तृतीय वर्ष

षष्ठ प्रश्नपत्र

आधुनिक काव्य

मैथिली शरण गुप्त: उमाकान्त पाठक
दिनकर के काव्य में युगचेतना : डॉ. जगदीश गुप्त
नई कविता: स्वरूप और समस्या: डॉ. जगदीश गुप्त
निराला की साहित्य साधना (भाग- २) : रामविलास शर्मा
राग विराग: रामविलास शर्मा
राष्ट्रकवि दिनकर : सं. गोपाल राय
महादेवी: परमानन्द श्रीवास्तव
कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
नागार्जुन का काव्य : अजय तिवारी
निराला और मुक्तिबोध : नन्दकिशोर नवल
प्रसाद का काव्य: डॉ. प्रेमशंकर
मुक्तिबोध के रचना सन्दर्भ : डॉ.गंगा प्रसाद विमल
अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या: रामस्वरूप चतुर्वेदी
आधुनिक साहित्य : नन्ददुलारे बाजपेयी ।

सप्तम प्रश्नपत्र
हिन्दी नाटक, निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

सहायक ग्रन्थ :

हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा
प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन: जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह
हिन्दी निबंध के सौ वर्ष - मृत्यंजय उपाध्याय
हिन्दी की गद्यविधाएँ: डॉ. हरिमोहन।
रंगदर्शन : नेमिचन्द्र जैन
आधुनिक हिन्दी नाटक के अग्रदूत: मोहन राकेश-गोविन्द चातक
हिन्दी के रेखाचित्र : माखनलाल शर्मा
हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी।

अष्टम पत्र

विशेष अध्ययन का पत्र : उपन्यास

हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास: सुरेश सिन्हा
हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश
उपन्यास : स्वरूप और विकास : जवरीमल पारख
इगु एम. एच.डी. १३, १४, १५, १६ की अध्ययन सामग्री पठनीय।
हिन्दी उपन्यास की नयी दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान।

विद्यासागर विश्वविद्यालय

ऐच्छिक हिन्दी/साधारण
प्रथम भाग / प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास
सहायक ग्रन्थ सूची
हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास: डॉ. रामकुमार वर्मा
लोकजागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

द्वितीय भाग / द्वितीय वर्ष
मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य

सहायक ग्रन्थसूची

कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
बिहारी : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
निराला : रामविलास शर्मा
राष्ट्रकवि दिनकर : गोपाल राय
तुलसी : उदयभानु सिंह
सूर-साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी
अज्ञेय का काव्य : चन्द्रकान्त वांदिवाड़ेकर
नागार्जुन का रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
प्रसाद का काव्य : डॉ. प्रेमशंकर
युगचारण दिनकर : सावित्री सिन्हा
हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी -नन्ददुलारे वाजपेयी
महादेवी : परमानन्द श्रीवास्तव
नई कविता : स्वरूप और समस्या, डॉ. जगदीश गुप्त

तृतीय प्रश्नपत्र
हिन्दी गद्य साहित्य

हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा
हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेश
हिन्दी कहानी का विकास : मधुरेश
हिन्दी निबंध के सौ वर्ष : मृत्युंजय उपाध्याय
कहानी नई कहानी : नामवर सिंह
हिन्दी नाटक : बच्चन सिंह

प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार : डॉ. हरिमोहन
प्रेमचन्द और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा

तृतीय वर्ष : तृतीय भाग
चतुर्थ प्रश्नपत्र : हिन्दी भाषा और प्रयोजनमूलक हिन्दी

सहायक ग्रन्थ

हिन्दी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी
हिन्दी भाषा का उद्भव, विकास
प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग -दंगल झाल्टे
अनुवाद की व्यवहारिक समस्याएँ : शिवनारायण चतुर्वेदी
समाचार, संकलन और लेखन : डॉ. नन्दकिशोर त्रिखा
हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र